

प्रेषक,

एम0एच0 खान,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य महाप्रबन्धक,
उत्तराखण्ड जल संस्थान,
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 26 मार्च, 2009

विषय:- राज्य सैक्टर की नगरीय पेयजल योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2008-09 में आगामी ग्रीष्म ऋतु से सम्भावित प्रभावित योजनाओं के निर्माण कार्यो हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय पत्र संख्या 4952/अप्रै0-03/धनावटन/2008-09 दिनांक 26.02.2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि नगरीय पेयजल योजनाओं के अन्तर्गत ग्रीष्म ऋतु में अभावग्रस्त क्षेत्रों में पेयजल उपलब्ध कराये जाने हेतु राज्य सैक्टर नगरीय पेयजल कार्यक्रम के अन्तर्गत संलग्न बी0एम0-15 के अनुसार सम्भावित बचतों से पुर्नविनियोग कर संलग्न विवरणानुसार कार्यो की लागत अनुमोदित करते हुए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सहित रू0 249.52 लाख (रू0 दो करोड उन्मचास लाख बावन हजार मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है।

2- स्वीकृत धनराशि मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरयुक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके आहरित की जायेगी तथा आहरण से सम्बन्धित वाउचर संख्या व दिनांक की सूचना महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून तथा शासन को तुरन्त उपलब्ध करा दी जायेगी।

3- उक्त स्वीकृत धनराशि का आवंटन/व्यय धनराशि के विवरण की सूचना शासन को एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध करा दी जाय। इसके अतिरिक्त कार्यो की मासिक/त्रैमासिक वित्तीय/भौतिक प्रगति मासिक रूप से यथासमय शासन को उपलब्ध कराई जायेगी। स्वीकृत धनराशि ऐसी योजनाओं पर कदापि व्यय न की जाय, जिनके सम्बन्ध में तकनीकी स्वीकृति न हो अथवा जो विवादग्रस्त है। धन का उपयोग उन्ही योजनाओं पर किया जाय जिनके लिये स्वीकृति दी जा रही है। एक योजना की धनराशि दूसरी योजना पर कदापि व्यय न की जाय।

4- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

5- व्यय करने के पूर्व बजट मैनुअल फाईनेन्शियल हैण्डबुक नियमों, टैंडर एवं अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम अधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यो पर व्यय करने से पूर्व आगणनों पर सक्षम अधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय। साथ ही उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के प्राविधानों अनुसार अनुपालना भी सुनिश्चित की जाय।

- 6- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2009 तक अथवा इसके पूर्व ही उपयोग कर लिया जाय ताकि योजना शीघ्र पूर्ण होकर उसका लाभ शीघ्र जनता को प्राप्त हों।
- 7- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से प्राप्त करनी आवश्यक होगी, तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
- 8- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।
- 9- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना की स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 10- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाय।
- 11- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग/विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को कराना सुनिश्चित करें।
- 12- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भू-गर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- 13- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला में टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- 14- जीपीडब्लू फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- 15- निर्माण सामग्री क्रय करने हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का पालन कड़ाई से किया जाय।
- 16- जिन योजनाओं के प्राक्कलनों पर प्रशासकीय स्वीकृति निर्गत नहीं है, उन योजनाओं के प्राक्कलन 10 दिन के अन्दर गठित कर शासन को उपलब्ध करा दिए जाए तथा उन प्राक्कलनों पर टी0ए0सी0 वित्त से संस्तुत धनराशि के अन्तर्गत ही व्यय किया जायेगा।
- 17- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत-101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-05-नगरीय पेयजल-01- नगरीय पेयजल तथा जलोत्सारण योजनाओं के लिये अनुदान-20-सहायक अनुदान/अंशदान राजसहायता" के नामे डाला जायेगा।
- 18- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं0-1377/XXVII (2)/09 दिनांक 25 मार्च, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि

भवदीय,

(एम0एच0खान)

सचिव

.....3

पृ०सं० २५७(१)/उन्तीस(२)/०९-२(१७५०)/२००९ तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. आयुक्त गढ़वाल, पौड़ी।
3. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून।
6. आयुक्त, ग्राम विकास उत्तराखण्ड देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-२/वित्त (बजट सैल)/नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड।
8. निजी सचिव, मा० पेयजल मंत्री जी।
9. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
10. प्रभारी अधिकारी, मीडिया सैन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
12. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(टीकम सिंह पुरी)
संयुक्त सचिव

शासनादेश सं० 257 / उन्तीस(2) / 09-2(17पे०) / 09 दिनांक 26 मार्च,
2009 का संलग्नक।

(धनराशि रु० लाख में)

क्र० सं०	योजना का नाम	अनुमोदित लागत	स्वीकृत की जा रही धनराशि
01	02	03	04
जनपद देहरादून			
01	आजाद नगर अघोईवाला में मिनी नलकूप निर्माण	21.14	21.14
02	बसन्त बिहार फेज-1 में मिनी नलकूप निर्माण	23.01	23.01
03	अहीर मण्डी कालीदास रोड़ डोभालवाला जोन में मिनी नलकूप का निर्माण	26.06	26.06
04	चाणक्यपुरी टी०एच०डी०सी० कॉलोनी में पाइप लाइन विस्तार	7.76	7.76
05	ओम बिहार धर्मपुर जोन में पाइप लाइन बदलने का कार्य	18.00	18.00
06	धामावाला झण्डा जोन में पाइप लाइन विस्तार	12.38	12.38
07	नेहरू कॉलोनी धर्मपुर जोन में पाइप लाइन बदलने का कार्य	12.83	12.83
08	बम्बई बाग चौराह से देहराबास झण्डा जोन में पाइप लाइन विस्तार	16.35	16.35
09	देहरादून नगर के अजबपुर डांडा एवं गुरुद्वारा रोड़ की मुख्य पाइप लाइन बदलने का कार्य	21.46	21.46
	योग :-	158.99	158.99
जनपद हरिद्वार			
01	रुड़की पेयजल योजना जोन-1 में पाइप लाइन विस्तार	48.06	48.06
	योग :-	48.06	48.06
जनपद पौड़ी			
01	रिगड्डी पेयजल योजना के अन्तर्गत पदमपुर / लालपुर में निष्प्रयोज्य नलकूप के स्थान पर नये नलकूप का निर्माण	42.47	42.47
	योग :-	42.47	42.47
	कुल योग :-	249.52	249.52

(रु० दो करोड़ उन्पचास लाख बावन हजार मात्र)

(टीकम सिंह पँवार)
संयुक्त सचिव

नियन्त्रक अधिकारी-मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान
प्रशासनिक विभाग-पेयजल विभाग, उत्तराखण्ड शासन

आयोजनागत
(रू0 हजार में)

प्राविधान तथा लेखाशीर्षक	मानक मदवार अव्यावधिक	वित्तीय वर्ष के अवशेष अवधि अनुमानित व्यय	अवशेष (सरप्लस)	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाता है	पुर्नविधायन के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुर्नविधायन के बाद स्तम्भ-1 में अवशेष धनराशि	अभ्युक्ति
01	02	03	04	05	06	07	08
2215-जलपूर्ति तथा सफाई				2215-जलपूर्ति तथा सफाई			(क) इस मद में परिचाल्य प्राविधानित न होने के कारण (ख) मद में संगृहित धनराशि प्राविधानित न होने के कारण।
01-जलपूर्ति-आयोजनागत				01-जलपूर्ति-आयोजनागत			
102-ग्रामीण जल पूर्ति कार्यक्रम				101-ग्रामीण जलपूर्ति कार्यक्रम			
03-ग्रामीण पेयजल राज्य सेक्टर				05-नगरीय पेयजल			
00-				01-नगरीय पेयजल योजना तथा जलसंचरण योजनाओं के लिए अनुदान			
20-सहायक अनुदान/असहान/राजसहायता	600000	468450	168450	300000(क)	20-सहायक अनुदान/असहान/राजसहायता	224952	443496
योग:-	600000	468450	168450	300000	200000(ख)	224952	443496
				प्रमाणित किया जाता है कि पुर्नविनियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद 150,151,155,156 में उल्लिखित सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।	2300000	224952	443496

(टीकम सिंह पवार)
संयुक्त सचिव

उत्तराखण्ड शासन
वित्त अनुभाग-2
संख्या 1377A/XXVII-(2)/2009
देहरादून दिनांक 25 मार्च, 2009

पुर्नविनियोग स्वीकृत
हो
(एमएस0 जोशी)
अपर सचिव, वित्त

सेवा में

महालेखाकार,
उत्तराखण्ड देहरादून।
संख्या 252 (क)/उन्नीस/09-2(1700)/2009, तद्विनाक
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कादवाही हेतु प्रेषित-
1-कोषाधिकारी देहरादून। 2-वित्त अनुभाग-2
3-जिलाधिकारी देहरादून।

आइए से,
(टीकम सिंह पवार)
संयुक्त सचिव